

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या-1284  
उत्तर दिनांक 31/07/2025 को दिया गया

**परमाणु ऊर्जा क्षमता का विस्तार**

1284. श्री अयोध्या रामी रेड्डी आला

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) भारत के जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में योगदान देने के लिए परमाणु ऊर्जा को निम्न-कार्बन ऊर्जा स्रोत के रूप में किस प्रकार उपयोग में लाया जा सकता है, और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में इसकी क्या भूमिका है; और
- (ख) वर्ष 2035 तक 35-40 गीगावाट और वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट क्षमता के अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए भारत को परमाणु ऊर्जा क्षमता में कितनी वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी, और इस वृद्धि दर को प्राप्त करने के लिए क्या कार्यनीतियाँ अपनाई गई हैं?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) परमाणु ऊर्जा 24X7 उपलब्ध बिजली का एक स्वच्छ, मूल भार स्रोत है। इसके जीवनचक्र के दौरान होने वाले ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन, पनबिजली और पवन जैसे नवीकरणीय स्रोतों के बराबर है। नाभिकीय ऊर्जा में अपार क्षमता है और यह देश को संधारणीय तरीके से दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा प्रदान कर सकती है। ये विशेषताएँ नाभिकीय ऊर्जा को, अन्य स्वच्छ स्रोतों के साथ न केवल देश की विशाल ऊर्जा माँग को पूरा करने और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य (नेट ज़ीरो) लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में स्वच्छ स्रोतों की ओर व्यापक ऊर्जा परिवर्तन को प्राप्त करने का एक प्रमुख साधन बनाती है।
- (ख) वर्तमान में, देश में स्थापित नाभिकीय ऊर्जा क्षमता 8780 मेगावाट है (विस्तारित शटडाउन के अधीन आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) को छोड़कर)। इसके अतिरिक्त, कुल 13600 मेगावाट क्षमता (भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 मेगावाट पीएफबीआर सहित) क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इसके क्रमिक पूर्ण होने पर, स्थापित नाभिकीय ऊर्जा क्षमता वर्ष 2031-32 तक 22380 मेगावाट (आरएपीएस-1 - 100 मेगावाट को छोड़कर) तक पहुंचने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2047 तक नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 100 गीगावाट तक प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ एक महत्वाकांक्षी नाभिकीय ऊर्जा मिशन और एसएमआर एवं नई प्रगत प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के उपायों की घोषणा की है। वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट प्राप्ति का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में मौजूदा और विकासाधीन नई उन्नत प्रौद्योगिकियाँ पर आधारित रिएक्टरों की स्थापना के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।

\*\*\*\*\*